This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1336**

Unique Paper Code : **210501** **F**

Name of the Paper : **Texts of Indian Philosophy**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *All* questions.

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write an essay on Nāgārjuna's Dialectic. Do you think Nāgārjuna has advanced any thesis of his own ?

नागार्जुन की 'प्रसंग पद्धति' पर एक निबन्ध लिखिए। क्या आप समझते हैं कि नागार्जुन का अपना कोई मत है ?

P.T.O.

Or

(अथवा)

Explain the structure, purpose and application of the Dialectic, according to Mādhyamika-kārikā.

माध्यमिक-कारिका के प्रसंग पद्धति के आकार, उद्देश्य और प्रयोग की व्याख्या कीजिए।

2. Critically examine Hinayāna and Mahāyāna's interpretation of Pratityasamutpāda.

हीनयान और महायान संप्रदाय के अनुसार की गई प्रतीत्यसमुत्पाद की व्याख्या का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

Or

(अथवा)

"There absolutely are no things,

No where and more, that arise (a new),

Neither out of themselves, nor out of non-self,

Nor out of both, nor at random". Explain.

"न स्वतों नापि परतों न द्वाभ्यां नाप्यहेतुतः,

उत्पन्ना जातु विद्यन्ते भावाः क्वचन केचन"

व्याख्या कीजिए।

3. Write an essay on Mādhyamika's understanding of Śūnyatā.

माध्यमिक के "शून्यता" संबंधी विचार पर एक निबन्ध लिखिए।

Or

(अथवा)

"Aparā pratyayaṁ Śāntaṁ prapañcair aprapañcitam,

Nirvikalpaṁ anānārthaṁ etattattvasya laksanaṁ".

Explain with reference to Mādhyamika-kārikā.

'अपरा प्रत्ययम शान्तम प्रपंचैर अप्रपंचितम,

निर्विकल्पम अनानार्थम एतत तत्वस्य लक्षणम्'।

माध्यमिक-कारिका के अनुसार व्याख्या कीजिए।

4. What is the Mādhyamika view of Nirvāṇa ? Discuss with reference to Catuskoti.

माध्यमिक का निर्वाण संबंधी मत क्या है ? चतुष्कोटि के संदर्भ में इसका विवेचन कीजिए।

Or

(अथवा)

Discuss the nature of Nirvāṇa according to the Mādhyamika-Kārikā of Nāgārjuna.

नागार्जुन की माध्यमिक-कारिका के अनुसार निर्वाण के स्वरूप की विवेंचना कीजिए।

5. Write short notes on any *two* :

(*a*) Samvṛtti satya and Pāramārtha satya

(*b*) The silence of the Buddha on Metaphysical questions

(*c*) Nih-Svabhāvatā

(*d*) Svatah and Paratah Uttpattih.

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) संवृत्ति सत्य और पारमार्थ सत्य

(*b*) तत्वमीमांसीय प्रश्नों पर बुद्ध का मौन

(*c*) निःस्वभावता

(*d*) स्वतः उत्पत्तिः और परतः उत्पत्तिः।